Godda college, Godda

Name of the teacher	Course	Sem	Subject	Title	Grade
Sri Ponkaj Kumar	B.Ed	II	T.C. 201	Co-operative learning	Full

[illegible signature]
[illegible date]

T.C. 201
Unit - 06

- Co operative learning and constructivist learning

Co operative learning (सहयोगी/सहकारी अधिगम)

Concept -

सहयोगी अधिगम में दो या दो से अधिक विद्यार्थी अलग-अलग स्तरों से [illegible] किसी समस्या का [illegible] निर्माण कार्य करते हैं। इसका आधार यह है कि अधिगम एक प्राकृतिक सामाजिक [illegible]

[illegible] यह अधिगम [illegible] आधारित होता है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] नहीं [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] विद्यार्थी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] की ओर [illegible] रहा है। [illegible] अधिगम के [illegible] [illegible] [illegible] जाता है [illegible] [illegible] ([illegible]) की [illegible] और [illegible] ([illegible]) की [illegible] हो गई है। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] अधिगम [illegible]

समूह अपनी अध्ययन की समस्या आपसी परिचर्चा में स्वयं तलाश लेते हैं।

अर्थ (meaning) :-

Co-operative में Co- का अर्थ साथ operat का मतलब है क्रियाशील अर्थात साथ रहते हुए मिल कर कार्य करना सहकारी है और जब इसमें अधिगम मिल जाय तो इसको इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है. साथ रहते हुए साथ मिलकर अधिगम कार्य करना सहकारी अधिगम है। छोटे-छोटे समूहों में की जाने वाली अधिगम प्रणाली है जो सहयोग की भावना पर आधारित होता है इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं होती है, पारस्परिक लाभ हेतु प्रयास किया जाता है। इसके शिक्षकों द्वारा समूहों का निर्माण कराया जाता क्योंकि छात्रों में अपने मित्रों को मिलाकर समूह बनाने की प्रवृत्ति होती है ऐसे में हो सकता है कि समूह का निर्माण सही प्रकार नहीं हो पाये या कोई छात्र छूट भी जा सकता है और यह समूह तब तक कार्य करता है जब तक दिए गये कार्य पूर्ण न हो जाय। समूह में सकारात्मक अंतर्निर्भरता की संरचना का विकास होता है।

इतिहास (History)

द्वितीय विश्व युद्ध से पहले सामाजिक सिद्धांतकारों जैसे. आलपोर्ट वाटसन शॉ, और मीड ने सहकारी

सीखने के सिद्धांत की सभी स्थापना करना शुरू कर दिया जब उन्हें पता चला कि अकेले काम की तुलना में जब समूह काम ~~की तुलना~~ में करने की तुलना किया जायेगा तो उसकी मात्रा, गुणवत्ता समग्र उपादेयता में अधिक प्रभावी और कुशल पाया जायेगा।

दार्शनिकों और मनोवैज्ञानिकों 1930 के दशक में जॉन डीवी, कुर्ट लेविन, मोर्टन ड्यूश ने भी सहकारी सीखने के सिद्धांत प्रभावित किया जो आज भी उपयोग अभ्यास होता है। डीवी मानते है कि छात्रों का ज्ञान और सामाजिक कौशल का विकास कक्षा के बाहर और लोकतांत्रिक समाज में होना महत्वपूर्ण है।

1994 में जॉनसन और स्मिथ को सहकारी अधिगम के जन्मदाता माना जाता है। इन्होंने सहकारी अधिगम के 5 मूल तत्व बताये है

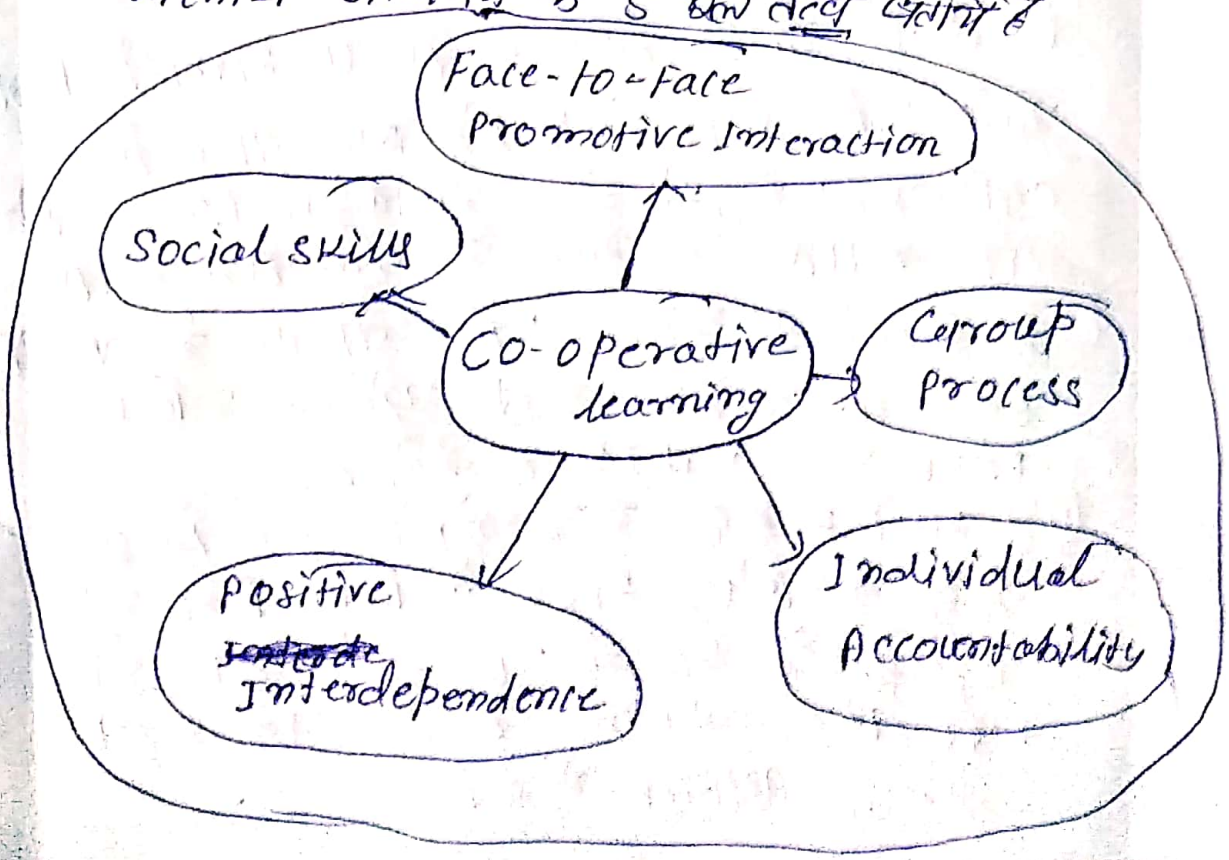

⇒ Face-to-face promotive Interaction (आमने-सामने प्रोत्साहक बातचीत) - इसमें सदस्यों को एक दूसरे की सफलता पर बढ़ावा देना चाहिए तथा उन को एक दूसरे को समझाने में सहायता करनी चाहिए और कार्य के खत्म होने तक आगे साथ देना चाहिए।

⇒ Group Process (समूह प्रसंस्करण) - इसमें समूह के सदस्यों - (a) प्रतिबिंबित है जिस पर सदस्य कार्य मददगार थे (b) कार्यों को जारी रखने या परिवर्तन के बारे में जो निर्णय करते है।

(c) समूह प्रसंस्करण का उद्देश्य स्पष्ट और सदस्यों के समूह के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को आगे ले जाने के साथ जो प्रभावशाली हो।

(d) छात्र की ~~अ~~ उपलब्धि के लिए आदेश में, जो विशेषताएँ मौजूद होना चाहिए (i) सहकारी शिक्षण कार्य और इनाम संरचनाओं स्परेखा बनाने, व्यक्तिगत जिम्मेदारी और जवाबदेही पहचान की जानी चाहिए, व्यक्तियों को पता होना चाहिए कि उनकी जिम्मेदारी और वास्तव में क्या है और वे अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए समूह के प्रति जवाबदेह कैसे है।

(ii) सभी समूह के सदस्यों के कार्य को पूरा करने के लिए समूह के लिए किसी भी अन्य दल के सदस्यों द्वारा अपने काम को नहीं किया जा सकता है या काम उनकी ~~जवाबदेह~~ जवाबदेह में है।

Scanned with CamScanner

⇒ Individual Accountability (व्यक्तिगत जवाबदेही) -

(a) अध्ययन के समय प्रत्येक छात्र को सामग्री के प्रति स्वामित्व का प्रदर्शन करना होगा।

(b) प्रत्येक छात्र उनके सीखने और काम के लिए वह खुद जवाबदेह है।

⇒ Positive Interdependence (सकारात्मक अन्योन्याश्रय) -

(a) छात्रों को पूरी तरह भाग लेना चाहिए और उनके समूह के भीतर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए।

(b) प्रत्येक समूह के सदस्य को एक कार्य / भूमिका / जिम्मेदारी सौंपा जाता है इसलिए की उनके सीखने के लिए वे ही जिम्मेदार है और उन्हें अपने और अपने समूह पर विश्वास करना चाहिए।

⇒ Social Skills (सामाजिक कौशल) -

(a) सामाजिक कौशल को सिखाया जाना चाहिए जिससे सफल सहकारी सीखने के लिए आवेश मिलता है।

(b) कौशल शामिल में प्रभावी संचार, पारस्परिक और समूह जरूरी है - नेतृत्व; निर्णय लेना, विश्वास निर्माण, दोस्ती, विकास, संचार संघर्ष, प्रबंधन कौशल आदि।

इसके सैद्धांतिक आधार है। - अभ्यास द्वारा सीखना, करके सीखना, एवं अवलोकन द्वारा सीखना